

>

Title: Need to take steps to remove economic discrimination in the country.

ॐ, राजन सुशान्त : सभापति मठोदय, 15 अगस्त, 2010 को भारत ने शजौतिक आजादी के 63 वर्ष पूँछे किये हैं परन्तु भारत के 120 करोड़ लोगों में से 100 करोड़ से ऊपर भारतवासियों को अभी तक आर्थिक आजादी प्राप्त नहीं हुई है। देश में चलाये जा रहे मनरेगा, बीपीएल आदि कार्यक्रम इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। यह विचित् संयोग है कि विकास की दर भी बढ़ती है, मध्नाई और भुखमरी भी बढ़ती है। शायद इसका बहुत बड़ा कारण आर्थिक संसाधनों का केन्द्रीयकरण मुझीभर उद्योगपतियों, तुनिंदा राजनेताओं, चंद अफसरशाहों तथा अवैध कारेबारियों आदि के खतरनाक मकड़जाल तक सीमित होना रह गया है। अतः मैं भारत सरकार से विशेष आग्रह कर रहा हूँ कि राष्ट्र के अधिकारी को उज्ज्वल बनाने के लिये इस आर्थिक असमानता की गहरी खाई को कम करने व आर्थिक आजादी प्राप्त करने के लिए भारत देश के खरबपतियों, अखण्डतायों व लखणपतियों की संख्या व सूती, चाहे ये सम्पत्तियां नामी हों या बेनामी हों, देश के भीतर हों या बाहर हों, शीघ्र जारी करे ताकि आर्थिक आजादी का सपना पूरा करने हेतु देश में देश की सरकार, संसद, विधानसभायें, कार्यपालिका व न्यायपालिका सांझे प्रयास कर कानूनितकारी कदम उठाने में सफल हो सकें।

21.26 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Wednesday, August 18, 2010/Sravana 27, 1932 (Saka)

* Not recorded.

-

* Not recorded.

* Not recorded.

*Not recorded

* Not recorded.

* â€!..* This part of the speech was laid on the Table.

* Not recorded.

Not recorded

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Speech was laid on the Table.

* Speech was laid on the Table.

* Not recorded.

* Not recorded.